भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1070
उत्तर देने की तारीख-02/12/2024

रोजगार क्षमता में सुधार के लिए तकनीकी शिक्षा को उद्योग मानकों के अनुरूप बनाना

†1070. श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने स्नातकों की रोजगार क्षमता में सुधार लाने के लिए तकनीकी शिक्षा को उद्योग मानकों के अनुरूप बनाने के लिए कदम उठाए हैं; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप को एकीकृत करने वाली विशिष्ट उद्योग भागीदारी क्या है;

(ग) सरकार द्वारा संस्थानों को रोजगार भर्ती अभियान और प्रशिक्षुता जैसे कार्यक्रमों से जोड़ने की पहले की गई हैं; और

(घ) मूल्यांकन पद्धतियां और स्नातकों के बीच रोजगार की दरों या कौशल सुधार संबंधी नवीनतम आंकड़े क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उद्योग-अकादमिक संपर्क के महत्व पर बल दिया गया है और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन केंद्रों; प्रौद्योगिकी विकास केंद्रों; अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्र के केंद्रों; संवर्धित उद्योग-अकादमिक संबंधों; और मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान सहित अंतःविषयक अनुसंधान की स्थापना करके अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दिया गया है। एनईपी 2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने निम्नलिखित सहित कई कदम उठाए हैं:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डिजाइन और प्रौद्योगिकी), रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि क्षेत्रों में मॉडल पाठ्यचर्या। पाठ्यचर्या संशोधन समितियों में उद्योग हितधारकों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है।

- छात्रों और संकाय सदस्यों की इंटर्नशिप, कौशल विकास और कौशल उन्नयन की सुविधा हेतु अग्रणी उद्योगों और संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए मॉडल इंटर्नशिप दिशा-निर्देश जारी किए गए। विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए एआईसीटीई द्वारा जारी किए गए मॉडल पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप अनिवार्य घटक है। इन दिशा-निर्देशों में पूर्णकालिक या अंशकालिक इंटर्नशिप का प्रावधान है।
- सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच संपर्क को सुगम बनाने, उद्योग और अकादमिक के मध्य सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एआईसीटीई द्वारा इंडस्ट्री अकेडमिया मोबिलिटी फ्रेमवर्क शुरू किया गया। इसके अतिरिक्त, इसमें उद्योग-अकादमिक साझेदारी हेतु रूपरेखा प्रावधान है तथा पारस्परिक रूप से दोनों पक्षों के लिए लाभकारी संबंधों को प्रोत्साहित करता है।

इसके अतिरिक्त, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारतीय युवाओं को कार्यस्थल पर प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) का कार्यान्वयन कर रहा है। यह योजना उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षुता प्रशिक्षण/व्यावहारिक प्रशिक्षण के चार क्षेत्रीय बोर्डों (बीओएटी/बीओपीटी) के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है। विगत 5 वर्षों में, एनएटीएस योजना में 8.68 लाख से अधिक प्रशिक्षुओं को नियोजित किया गया है, जिनमें से 2.53 लाख प्रशिक्षुओं को वित्त वर्ष 2023-24 में नियोजित किया गया है।

साथ ही, युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास और प्रतिष्ठित उद्योग भागीदारों के सहयोग से दिनांक 27 फरवरी, 2024 को स्वयम प्लस प्लेटफॉर्म शुरू किया है, जो उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम अभिज्ञात करने और उन्हें शामिल करने तथा शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी पेशकश का विस्तार करेगा। यह मंच छात्रों/शिक्षार्थियों को अग्रणी उद्योग और शिक्षा जगत से उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और प्रमाण-पत्र कार्यक्रम प्रदान करता है, जो उन्हें पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन में मदद कर सकता है तथा उन्हें रोजगार हेतु तैयार करता है। शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी मद्रास ने अग्रणी उद्योग भागीदारों के साथ 55 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। दिनांक 22 नवंबर, 2024 तक इस प्लेटफॉर्म पर 320 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं और 1.27 लाख से अधिक शिक्षार्थियों ने अपने कौशल संवर्धन के लिए इस प्लेटफॉर्म पर नामांकन कराया है।

*****